अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25 से 28 अक्टूबर 2018
दिल्ली
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

ओ३म्

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में

भारत की राजधानी दिल्ली में विशाल स्तर पर आर्यों का महाकुंभ

महर्षि दयानन्द सरस्वती

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2018

25 से 28 अक्टूबर 2018

तदनुसार कार्तिक कृष्ण १,२,३,४ संवत् २०७५

सम्मेलन स्थल

स्वर्ण जंयती पार्क (जापानी पार्क), रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली

विस्तृत कार्यक्रम

उदघाट्न

25 अक्टूबर 2018 प्रातः 10.30 बजे

इस ऐतिहासिक महासम्मेलन में लाखों की संख्या में भाग लेकर आर्यसमाज के सगंठन एवम् भविष्य को सुदृढ़ बनाएं

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, १५ हनुमान रोड, नई दिल्ली-१
दूरभाष : 23360150, 23365959, 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com
Website : www.aryamahasammelan.org ; www.thearyasamaj.org

गुरुवार, दिनांक 25 अक्टूबर, 2018

ओ३म् ध्वजारोहण : प्रातः 10:15 बजे
संकल्प : ओ३म् ध्वजा फहरे घर-घर पर

मुख्य पण्डाल

उद्घाटन समारोह

प्रातः 10:30 बजे से 1:30 बजे

मानव उत्थान एवं विश्व शान्ति के लिए समर्पित सतत् आन्दोलन - आर्यसमाज

1 मानवीय मूल्यों का प्रेरक - आर्यसमाज
2 आर्यसमाज की स्थापना : नए युग का आरम्भ
3 आज के जीवन में आर्यसमाज की प्रासंगिकता
4 आर्यसमाज का गौरवशाली इतिहास - क्रान्तिकारी परिवर्तन एवं प्रेरणा

वेद सम्मेलन

दोपहर 2:00 बजे से 4:00 बजे तक

विश्वशान्ति एवं मानव निर्माण का एकमात्र मार्ग - वेद

1 मानवीय सम्बन्ध और वेद (धारा 377 की समाप्ति - आखिर ये सन्देश किसके लिए?)
प्रेरणा : ईश्वर प्रदत्त प्राकृतिक नियमों तथा मानवोचित व्यवहार का आधार वेद।
2 वेद वाणी को जन वाणी बनाया महर्षि दयानन्द ने (धन्य है तुमको हे ऋषि)
प्रेरणा : वेद किसी काल, वर्ग व स्थान विशेष के लिए नहीं अपितु सार्वभौमिक, सार्वकालिक व सार्वजनीन है।
3 वेद और विज्ञान
प्रेरणा : समस्त भौतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान-विज्ञान का आधार है वेद।
4 वैश्विक आतंकवाद का समाधान - केवल वेद के द्वारा
प्रेरणा : मनुर्भव का सन्देश देते हुए सम्पूर्ण मानवजाति के कल्याण व सुख-शान्ति का आधार है वेद।
ले चलें शिखर की ओर 'लघु नाटिका'

अन्ध विश्वास निवारण सम्मेलन

सायं 4:30 बजे से 7:00 बजे

आर्यसमाज के कार्यकर्ता बनें - अंधविश्वासों के खिलाफ आवाज बुलन्द करें

1 अंधविश्वास से अपार हानियाँ-ऐतिहासिक परिपेक्ष में।
प्रेरणा : पाप क्षमा की भ्रान्ति फैलाने वाले पूजापाठ से मुक्त कराएँ समाज को।
2 वर्तमान में बढ़ रहे अन्धविश्वास के निवारण में आर्य समाज का दायित्व।
प्रेरणा : धर्म के नाम पर होने वाले व्यापार का विरोध योजनाबद्ध रूप से करके जनता को गुमराह होने से बचाएं
3 धार्मिक भ्रष्टाचार-निरोधक कानून की आवश्यकता।
प्रेरणा : आर्यसमाज के कार्यकर्ता बनें - अन्धविश्वासों के खिलाफ आवाज बुलन्द करें

विराट कवि सम्मेलन

राष्ट्र एवं मानव जाति के समक्ष उपस्थित समस्याओं का काव्यमय चिन्तन एवं आह्वान

रात्रि 9:00 बजे से

शनिवार, दिनांक 27 अक्टूबर, 2018

राष्ट्र चिन्तन सम्मेलन

राष्ट्र की वैदिक अवधारणा

प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे

राष्ट्र एवं विश्व के समक्ष उपस्थित जन समस्याओं की चर्चा एवं समाधान

1 धर्मान्तरण : संस्कृति एवं राष्ट्र को विघटित करने का विश्वव्यापी षड़यन्त्र

प्रेरणा : परिवारों में धर्म, दर्शन एवं संस्कृति की शिक्षा द्वारा सनातन धर्म की महत्ता को प्रतिपादित किया जाए।

2 एकत्व ही श्रेयस्कर (एक देश, एक संविधान, एक समान नागरिक संहिता)

प्रेरणा : राष्ट्र के संसाधनों एवं सुविधाओं का लाभ सभी नागरिकों को समान रूप से प्राप्त हो तथा सभी के लिए न्याय एवं दंड विधान समान हो।

3 जनसंख्या के सामाजिक असंतुलन के विस्फोटक परिणाम।

प्रेरणा : जनसंख्या वृद्धि राष्ट्र के लिए घातक है-जनसंख्या नियन्त्रण का कानून सभी के लिए समानरूप से लागू हो।

4 भारत व भारतीयता को नष्ट करने के प्रयास में अराष्ट्रीय तत्व।

प्रेरणा : आतंकवादियों और राष्ट्रविरोधी तत्त्वों को दिया जाने वाला समर्थन व सहयोग राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में लाया जाए।

विश्व आर्यसमाज सम्मेलन

विश्वपटल पर आर्यसमाज

''कृण्वन्तो विश्वमार्यम्'' - लक्ष्य - बढ़ते कदम

दोपहर 1:30 बजे से सायं 4:00 बजे

समस्त विश्व से पधारे आर्यजनों को उद्बोधन

1 वेद की सार्वभौमिक शिक्षाएं ही विश्व शान्ति एवं सौहार्द का एक मात्र आधार

प्रेरणा : विश्व के समस्त देशों में वेद का सन्देश पहुँचाने का संकल्प लें।

2 विश्व के अन्य देशों के राष्ट्रीय उत्थान में आर्यसमाज की भूमिका।

प्रेरणा : अन्य देशों में आर्यसमाज को पहुँचाने की योजना बनाकर 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' के स्वप्न को साकार करें। विश्व की समस्त आर्यसमाजों की गतिविधियों से परिचित होकर परस्पर कार्य करें।

3 ऊर्जा के गहराते वैश्विक संकट में वेदों की उपादेयता

प्रेरणा : ऊर्जा के वैश्विक संकट का निदान वेदों में वर्णित ऊर्जा के स्रोतों के माध्यम से ही सम्भव।

आर्य परिवार सम्मेलन

आर्यसमाज को मजबूत करेंगे आर्य परिवार

सायं 4:30 बजे से 6:00 बजे तक

1 आर्य बने पूरा परिवार

प्रेरणा : आओ आर्यसमाज को अपना मित्र बनाएं तथा आर्यपरिवारों के आपसी सम्बन्धों को बढ़ावा दें।

2 हमारा जीवन आर्यत्व से पूर्ण हो

प्रेरणा : हम मन से, वाणी से और कर्म से आर्य धर्म को अपनाएं।

3 आर्य परिवार-धरती पर स्वर्ग

प्रेरणा : 'स्वर्ग कामो यजेत्' की भावना से ओत-प्रोत होकर 'पंचमहायज्ञों' को जीवन में अपनाएं।

आर्यवीर दल, गुरुकुलों द्वारा व्यायाम प्रदर्शन

शारीरिक एवं मानसिक उन्नति का साधन - व्यायाम

सायं : 4:00 से 6:00 बजे

(विभिन्न प्रान्तों से पधारे आर्य वीरों एवं गुरुकुलों द्वारा आकर्षक व्यायाम कलाओं का प्रदर्शन)

पथ संचालन, सर्वांगसुन्दर व्यायाम, सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार, सामूहिक तलवार, सामूहिक भाला, नियुद्धम्, तलवार विशेष, भाला विशेष, आसन स्तूप, मलखम्भ, जिम्नास्टि, डोरी मल्खम्भ, कमाण्डो, कैलोजियम - आर्य वीरांगनाओं द्वारा, कल्लरी, विभिन्न वाद्य यन्त्रों की प्रस्तुति

लेजर शो

सायं 6:30 बजे से 7:30 बजे

सृष्टि उत्पत्ति से आज तक की परिस्थितियां तथा भविष्य की दृष्टि एवं संकल्प

आर्यसमाज सेवाकार्य सम्मेलन

संसार का उपकार करना, आर्यसमाज का मुख्य उद्देश्य की मूल भावना के साथ

आयोजित : सेवा कार्य पहुंचे घर-घर तक

सायं 7:00 बजे से 9:00 बजे

1 आर्यसमाज और इसका छठा नियम

प्रेरणा : प्रत्येक आर्यसमाज में सेवा कार्य ईकाई का गठन हो व समय-समय पर सेवा कार्य किए जाएं।

2 आदिवासियों के योगक्षेम व गौरववद्धि के लिए खड़ा है आर्य समाज

प्रेरणा : प्रत्येक आर्यसमाज अपनी ओर से अ. भा. दयानन्द सेवाश्रम संघ से जुड़कर योगदान दे।

3 प्राकृतिक आपदाओं के समय बढ़ाओ हाथ-मिले आर्यसमाज का साथ

प्रेरणा : आर्यसमाज का हो संकल्प - दान, सेवा और पुरुषार्थ।

विशिष्ट भजन संध्या

रात्रि 9:00 बजे से 11:00 बजे

आर्यवीर सम्मेलन

सायं 7:00 बजे से 9:00 बजे

राष्ट्र और आर्यसमाज का उज्ज्वल भविष्य : आर्य वीर दल

1 युवा कार्यकर्ता निर्माण 2 वर्तमान चुनौतियां एवं आर्य वीर दल
3 आर्य वीर एवं सेवा कार्य 4 आर्य वीरांगनाओं का दायित्व
5 आर्य वीर दल की प्रचार योजना: समायोजन एवं कार्यक्रम
6 आर्य वीर दल का गौरवशाली इतिहास
7 आर्यवीर दल - आर्यसमाज की सशक्त भुजा

भजन एवं गीत संध्या

रात्रि 9:00 से 11:00 बजे

आर्यसमाज के युवा संगीतज्ञों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति
महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्यसमाज, प्रेरणा, ईश्वर भक्ति एवं शान्ति गीत

आर्य संगीत सम्मेलन

आर्यसमाज के युवा संगीतज्ञों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति
विषय: महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्यसमाज, प्रेरणा, ईश्वर भक्ति एवं शान्ति गीत।

शुक्रवार, दिनांक 26 अक्टूबर, 2018

निरन्तर क्रियाशील आर्यसमाज

प्रात: 10:30 बजे से प्रात:11:30 बजे

आर्यसमाज की उन्नति, विस्तार, आधुनिकीकरण और भविष्य की चुनौतियों एवं आवश्यकताओं को देखते हुए चलाई गई नई योजनाओं का परिचय

संस्कृति एवं सामाजिक संचेतना सम्मेलन

सामाजिक एवं पारिवारिक व्यवस्थाओं के बिगड़ते ताने-बाने के विषय में चिन्तन

प्रात: 11:30 से दोपहर 1:30 बजे

1 अपसंस्कृति का विस्तार-विलुप्त होते वैदिक संस्कार
प्रेरणा : अपनी सन्तानों में डालें शुभ संस्कारों के बीज (मदर्स-डे/फादर्स-डे - वर्ष में केवल एक दिन के लिए नहीं।)
2 जातिवाद - मानवता पर कलंक (समग्र हिन्दू समाज के चिन्तन का विषय)
प्रेरणा : वैदिक वर्ण व्यवस्था में जातिवाद के अभिशाप से बचने के लिए कर्म आधारित वर्ण व्यवस्था अपनाएं।
3 दिशाहीन सोशल मीडिया समाज व राष्ट्र के लिए घातक
प्रेरणा : युवाओं को अपभ्रंश सोशल मीडिया दूर रखने की आवश्यकता ।
4 बिना सन्तान अथवा एकाकी सन्तान से परिवार की संकल्पना - समाज व राष्ट्र के लिए घातक
प्रेरणा : समृद्ध एवं मजबूत परिवार का निर्माण करें।
5 संस्कृति का आधार - संस्कृत भाषा
प्रेरणा : संस्कृति को जानने के लिए संस्कृत के पठन-पाठन की योजना प्रत्येक आर्यसमाज अपनाए।

आर्य महिला सम्मेलन

परिवारों के बदलते परिवेश एवं नारी की विशिष्ट भूमिका को लेकर विस्तार से चिन्तन

दोपहर 2:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक

1 आर्यसमाज के विस्तार में नारी की अहम् भूमिका
प्रेरणा : स्त्री विमर्श के नाम पर नर-नारी के मध्य खाई न बढ़ने दें ।

2 नारी सम्मान के क्षेत्र में आर्यसमाज की महत्त्वपूर्ण भूमिका
प्रेरणा : एक आन्दोलन के रूप में करना होगा भ्रूण हत्या का विरोध ।

3 हाउस वाईफ नहीं होममेकर है नारी (गृहिणी गृहमुच्यते)
प्रेरणा : महिलाओं को दें पूर्ण सम्मान - नारी ही है परिवार निर्माण का आधार ।

4 परिवार, समाज व राष्ट्रोत्थान की धुरी नारी
प्रेरणा : महर्षि दयानन्द द्वारा बताए मार्ग से नारी उत्थान के कार्यों को आगे बढ़ाएं।

5 दो पाटों के बीच पिसती आज की नारी
प्रेरणा : नारी अबला नहीं योद्धा है-हर परिस्थिति में सक्षम नारी ।

6 वैदिक पारिवारिक व्यवस्था को ध्वस्त करने के गम्भीर षड्यंत्र (लिव - इन - रिलेशनशिप, समलैंगिकता को स्वीकृति, एकांकी सन्तान की प्रवृत्ति तथा बढ़ते हुए तलाक)
प्रेरणा : वर्तमान जीवन शैली में परिवर्तन लाकर परिवार के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएं ।

विश्वशान्ति एवं मानव कल्याण एकता महायज्ञ

(हजारों यज्ञ प्रशिक्षित याज्ञिकों द्वारा)

घर-घर यज्ञ - हर घर यज्ञ

(कार्यक्रम का प्रसारण मुख्य पण्डाल में स्क्रीन पर भी किया जाएगा)

सायं 4:00 से 6:00 बजे

1 यज्ञ से सम्बन्धित वैज्ञानिक शोध परिणामों प्रदर्शन 2 आर्यसमाज की शोध टीम का परिचय
3 यज्ञ द्वारा विशिष्ट सूर्य विज्ञान प्रदर्शन 4 महाशय धर्मपाल जी यज्ञ का सन्देश - बच्चों के नाम

लघु नाटिका

सायं 6:00 बजे

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जीवन के अन्तिम दृश्य पर आधारित लघु नाटिका

महर्षि दयानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

महर्षि दयानन्द जी के उत्तमतम व्यक्तित्व को और निकटता से देखें और अपने जीवन का उद्देश्य निर्धारित करें

सायं 7:00 से रात्रि 9:00 बजे

1 महर्षि दयानन्द के स्वप्न एवं हमारे कर्त्तव्य तथा दायित्व
प्रेरणा : महर्षि दयानन्द के मिशन से जुड़कर स्वयं के जीवन का निर्माण करें एवं अन्यों को आर्य बनाने का संकल्प लें।

2 महर्षि जी की कालजयी कृति - सत्यार्थ प्रकाश
प्रेरणा : व्यक्तिगत जीवन प्रबन्धन, समाज प्रबन्धन एवं राष्ट्र निर्माण के सूत्रों का ज्ञान व प्रचार-प्रसार।

3 महर्षि दयानन्द द्वारा प्रदत्त मानव कल्याण के स्वर्णिम सूत्र (आर्यसमाज के दस नियम)
प्रेरणा : मानवमात्र के सर्वांगीण विकास के आधार हैं ये दस नियम।

4 महर्षि दयानन्द और मनुस्मृति
प्रेरणा : मानव समाज के प्रथम संविधान मनुस्मृति को महर्षि ने पूर्ण प्रामाणिकता दी।

रविवार, दिनांक 28 अक्टूबर, 2018

संकल्प सत्र : प्रातः 10:00 से 11:00 बजे

आओ संकल्प लें

सम्मेलन हम सब में आगे कार्य करने की प्रेरणा का संचार करें

- समाज की उन्नति का
- वेद (ज्ञान) के प्रचार का
- स्वयं के उत्थान का
- राष्ट्र के उत्थान का
- संगठन की उन्नति का
- ऋषिग्रन्थों के स्वाध्याय का

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन समापन सत्र

प्रातः 11:00 से दोपहर 2:30 बजे

महर्षि दयानन्द जी के जन्म के 200 वर्ष (2024)
एवं आर्यसमाज की स्थापना के 150 वर्ष (2025) के लक्ष्य
को लेकर भविष्य की पूर्ण रूपरेखा की प्रस्तुति एवं
आर्यसमाज के संगठन के प्रमुख कार्यकर्त्ताओं द्वारा संकल्प की अभिव्यक्ति एवं सम्मान

1 नवजागरण के पुरोधा - ऋषि दयानन्द का चिन्तन - हमारी शक्ति का प्रेरणा पुँज
प्रेरणा : महर्षि दयानन्द के आदर्शों का करें अनिवार्य रूप से पालन।
2 वैदिक सिद्धान्तों की दृढ़ता : जीवन निर्माण का उपाय
प्रेरणा : वैदिक सिद्धान्तों का दृढ़ता के साथ पालन करें।
3 वैदिक धर्म का संरक्षक - आर्य समाज
प्रेरणा : वैदिक धर्म को विश्व व्यापक बनाने के लिए आर्यसमाज को मजबूत करें।
4 व्यक्तिगत जीवन के उच्च मापदण्डों का प्रेरक - आर्यसमाज
प्रेरणा : आर्यसमाज के जीवन मूल्यों को जीवन में अपनाएं।
5 राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में आवश्यक प्रस्ताव
प्रेरणा : संकल्प हो आर्यजनों का - विश्व व्यापक हो ज्ञान वेद का ।
6 आर्यसमाज के भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा
प्रेरणा : आर्यशक्ति हो उत्साहित - बने अग्रणी आर्यसमाज।

धन्यवाद प्रस्ताव

प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रम
25, 26, 27, 28 अक्टूबर, 2018

ध्यान एवं योग साधना–योग साधना मंच
प्रातः 5-15 बजे से 6-30 बजे तक
ध्येय - व्यक्तित्व विकास और जीवन में शान्ति के लिए योगासन एवं प्राणायाम को अपनायें

आर्य वीर दल शाखा–आर्य वीर दल मंच
प्रातः 6-30 बजे से 7-30 बजे तक
ध्येय - बालक-बालिकाओं को सुसंस्कारित करने हेतु ग्राम-ग्राम तक आर्यवीर दल की शाखा का विस्तार करें

प्रातः कालीन संध्या एवं वृहद् यज्ञ
प्रातः 7-40 बजे से प्रातः 9-15 बजे तक
ध्येय - मानव जीवन की उन्नति एवं मोक्ष प्राप्ति-पंच महायज्ञ द्वारा

भजन, आध्यात्मिक प्रवचन एवं ध्यान
(मुख्य मंच से)
प्रातः 9-15 बजे से 10-0 बजे तक

सायं कालीन वृहद् यज्ञ, संध्या एवं ध्यान
(केवल 25,26,27 अक्टूबर 2018)
सायं 4-30 बजे से 5-30 बजे तक
ध्येय - संध्योपासना से जीवन की उन्नति

पूर्णकालिक यज्ञ – लघु गुरुकुल
प्रतिदिन प्रातः 9-30 बजे से सांय 4-30 बजे तक

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के विभिन हॉल की जानकारी

H 1 बालवीर हकीकत राय सभागार बच्चों का कोना (किड्स जोन): इस हॉल में आर्य परिवारों के छोटे बच्चों के लिए आर्य समाज के इतिहास में पहली बार बनाई गई नैतिक शिक्षा की एनिमेशन मूवीज़, कॉमिक्स, खेल एवं बाल संस्कार देने की सुन्दर व्यवस्था बनाई गई है। आर्य परिवार अपने बच्चों को कुछ समय के लिए इस वातावरण में रख सकेंगे।

H 2 माता अमृतबाई सभागार मदर्स कार्नर : ३ साल से छोटे बच्चों के साथ आने वाली माताओं के लिए विशेष रूप से बनाया गया है। विशेष रूप से बच्चो की आवश्यकतापूर्ति के लिए यहां व्यवस्था की गई है।

H 3 स्वामी सत्य प्रकाश सभागार विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं सत्ता बिन्दु प्रस्तुतिकरण (पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन) : इस हॉल में वेद में विज्ञान, वेद में उपस्थित विभिन्न विषयों जैसे-सृष्टि विज्ञान, कृषि विज्ञान, यज्ञ चिकित्सा, यज्ञ विज्ञान, पाखण्ड खण्डन, वेदों के सम्बन्ध में भ्रान्तियों का निवारण, आर्यों का आदि देश, आर्यसमाज के नियमों पर ख्याति प्राप्त विद्वानों एवं इस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा चर्चा तथा प्रस्तुति की जाएगी।

H 4 पं. गंगाप्रसाद उपाध्याय सभागार विषयानुसार व्याख्यानमाला : इस सभागार में आर्यसमाज, वैदिक धर्म एवं विभिन्न सिद्धान्तों से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर वैदिक विद्वानों द्वारा व्याख्यानों की प्रस्तुति।

H 5 पं. गुरुदत्त विद्यार्थी सभागार प्रतिदिन विभिन्न आयु वर्गों हेतु प्रतियोगिताएं : इस हॉल में ५ वर्ष से लेकर सभी आयुवर्ग के आर्यजनों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, जो कि अलग-अलग समय एवं वर्ग के अनुसार होगी।

H 6 आचार्य बलदेव सभागार 25 - 26 अक्टूबर : योग की सार्थकता महिलाओं/बच्चों/ अभिभावकों के लिए' विषय पर विशेष चर्चा बच्चों के लिए विशेष प्रकाशित अंग्रेजी साहित्य का परिचय

27-28 अक्टूबर : यज्ञ विज्ञान संगोष्ठी : समस्त भौतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान का आधार वेद है। युवाओं एवं छात्रों के लिए वेदों में विज्ञान, यज्ञ पर वैज्ञानिक शोध और उनके परिणाम, यज्ञ द्वारा पर्यावरण पर प्रभाव, आर्यसमाज के सिद्धान्त एवं मान्याएं, आर्यसमाज द्वारा विश्व कल्याण के लिए किए गए कार्यक्रम इत्यादि विषयों पर चर्चा की जाएगी एवं ऑडियो विजुअल कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

H 7 विशुद्धा सभागार विश्वमार्यम् सभागार - विशुद्धा : इस हॉल में आर्य समाज की विचारधारा को विश्वव्यापी बनाने, विश्व में फैलाने, आर्य समाज के इतिहास, साहित्य को सुरक्षित रखने, विश्व भर में फैले आर्यसमाज से जुड़े महानुभावों को एक दूसरे के निकट लाने के लिए आधुनिकतम तकनीकों का इस्तेमाल करके जिन योजनाओं का निर्माण किया गया है तथा जिनका लोकार्पण इसी ऐतिहासिक महासम्मेलन में किया जाना है उनके बारे में आगन्तुक अर्जनों को अलग-अलग समय में विभिन्न योजनाओं को अलग-अलग समय में विभिन्न योजनाओं को विस्तार से बताने के लिए आर्य समाज के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा सत्ता बिन्दु प्रस्तुतिकरण (पी.पी.टी) किया जाएगा। इस हॉल में लोग स्वयं इंटरनेट का प्रयोग करके वैदिक रैफरेंस लाइब्रेरी (सन्दर्भ पुस्तकालय), अभिलेखागार, आर्य सूचना केन्द्र वैब पोर्टल एवं अन्य आकर्षक योजनाओं को स्वयं देख सकेंगे।

H 8 ब्र० राजसिंह आर्य सभागार प्रदर्शनी इस हॉल में विभिन्न विषयों को चित्रों के माध्यम से जैसे - वेद के ऐतिहासिक सन्दर्भ, महर्षि दयनन्द का जीवनवृत, नशा, शाकाहार, पशुवध, गौहत्या, आर्य समाज के दर्शनीय प्रेरक स्थल, महर्षि दयानन्द के स्मृति स्थल, विभिन्न भाषाओं के सत्यार्थ प्रकाश, डाक टिकटें, क्रान्तिकारी एवं महापुरुषों के चित्र, आदि ऐतिहासिक सन्दर्भों पर विशिष्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इसी के साथ सत्यार्थ प्रकाश के ताम्रपत्रों पर खुदे संस्करणों का भी प्रदर्शन होगा।

H 9 पं. रामचन्द्र देहलवी सभागार शंका समाधान सत्र : इस हॉल में वेद सत्यार्थ प्रकाश, यज्ञ, ईश्वर, कर्मफल, सृष्टि उत्पत्ति, दर्शन, आदि विषयों पर अलग-अलग समय पर विभिन्न उच्चकोटि के विद्वानों के सत्र होंगे, जिनमें जिज्ञासुजन अपनी शंकाओं का समाधान पा सकेंगे।

H 10 महात्मा नारायण स्वामी सभागार 25- 26 अक्टूबर : आर्ष गुरुकुल प्रणाली पर विशेष चर्चाएं
27- 28 अक्टूबर : द्वि दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

H 11 माता चन्नन देवी चिकित्सालय (Mata Channan Devi Hospital)

H 12 पं. लोकनाथ वाचस्पति सभागार विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगठनों एवं आर्यसमाज के इतिहास की सच्ची अनछुई घटनाओं का मंचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संगीत प्रस्तुति: इस हॉल में प्रतिदिन प्रातः 10 से सायं 6 बजे तक आर्य समाज की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं को आर्य विद्यालयों, गुरुकुलों, आर्यवीर दल-वीरांगना दल, दयानन्द सेवाश्रम संघ, विभिन्न आश्रमों के बच्चों द्वारा विभिन्न विषयों पर सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही इसी हॉल में अन्य कार्यक्रम भी होंगे।

H 13 अमानती घर (Cloak Room)

H 14 पं. फूलचन्द शर्मा 'निडर' सभागार
(26-27 अक्तूबर) वैवाहिक परिचय सम्मेलन
(25 एवं 28 अक्तूबर) संगीत व भजनों के निरन्तर कार्यक्रम

H 15 पं. शुक्रराज शास्त्री सभागार विभिन्न भाषाएं एवं विदेश परिचय: इस हॉल में विभिन्न देशों में उपस्थित आर्यसमाज के संगठन, गतिविधियों तथा वहां की संस्कृति का परिचय वहीं के आर्यजनों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसी हॉल में विभिन्न भारतीय तथा विदेशी भाषाओं के विद्वान आर्यसमाज की विचारधारा को अपनी-अपनी भाषा में प्रस्तुत करेंगे।

H 16 श्री गुरु विरजानन्द सभागार ध्यान एव योग प्रशिक्षण : ध्यान एवं योग आर्यसमाज की धरोहर है। शारीरिक एवं मानसिक उन्नति के लिए विभिन्न प्रशिक्षित योगाचार्यों द्वारा ध्यान एवं योग को जीवन में अपनाने के लिए अभ्यास एवं निर्देशन किया जाएगा।

H 17 पं. आशानन्द सभागार पं. आशानन्द जी मैजिक लालटेन (मूवी हॉल) : इस हॉल में प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक विचार टी.वी. द्वारा निर्मित आर्यसमाज, महर्षि दयानन्द, विभिन्न महापुरुषों के जीवन, परिवार एवं समाजोपयोगी विषयों पर निर्मित विभिन्न वृत्तचित्रों, लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

H 18 पं. लेखराम सभागार लेखक मंच : इस हॉल में आर्यजगत के विभिन्न लेखकों द्वारा प्रकाशित की गई पुस्तकें, एवं शोध कार्यों पर लेखकों द्वारा अपनी-अपनी प्रस्तुति एवं परिचय दिया जाएगा। आर्य लेखकों की गोष्ठी का कार्यक्रम भी आयोजित होगा।

H 19 मोहनलाल मोहित सभागार विदेशी प्रतिनिधियों के लिए संवाद कक्ष : प्रवेश केवल विदेशी प्रतिनिधियों के लिए। इस हॉल में विदेश से आए अतिथियों में आपसी संवाद और उनके अपने-अपने देश में आर्यसमाज द्वारा किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

पहुंचने का मार्ग • स्वर्णजयन्ती पार्क रोहिणी, जापानी पार्क के नाम से भी प्रसिद्ध है, यह दिल्ली के उत्तरी पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है। • आप दिल्ली मैट्रो के किसी भी स्टेशन से रिठाला या रोहिणी वैस्ट का टिकट लेवें तथा उतरकर सीधा सम्मेलन स्थल पर पहुंचें। 15 मिनट का पैदल मार्ग है, ई-रिक्शा ले सकते हैं अथवा बस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। आउटर रिंगरोड पर से आप बाहरी मुद्रिका (बस रूट) लेवें तथा मधुबन चौक अथवा, हैदरपुर जल संयन्त्र निकट पैट्रोल पम्प के स्टैण्ड पर उतरें वहां से ओटो, ई-रिक्शा अथवा बस सेवा का लाभ उठाऐं।

-: निवेदक :-

महाशय धर्मपाल	सुरेशचन्द्र आर्य	प्रकाश आर्य	धर्मपाल आर्य	विनय आर्य	विद्यामित्र ठुकराल
अध्यक्ष स्वागत समिति	प्रधान सा.आ.प्र.सभा मो. 09824072509	मंत्री सा.आ.प्र.सभा मो. 09826655117	सम्मेलन संयोजक प्रधान-दि.आ.प्र.सभा. मो. 09810061763	महामन्त्री दि.आ.प्र.सभा. मो. 09958174441	कोषाध्यक्ष दि.आ.प्र.सभा. मो. 9810072175

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1
E-mail : aryasabha@yahoo.com Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

Foto Crafts
9811331876, 9811331874

विशेष नोट : कार्यक्रमों में व्यवस्था एवं आवश्यकता अनुसार परिवर्तन की सम्भवना रहेगी।